

वित्तीय स्वीकृति/आयोजनेत्तर

संख्या:- 434 /XVII(1)-3/2009-09(15)/2009(TC)

प्रेषक,

राधा रत्नौरी

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वासि

देहरादून, उत्तराखण्ड।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून

दिनांक 30 अक्टूबर, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में सैनिक कल्याण मुख्यालय के मानक मद 01-वेतन में कम पड़ रही धनराशि हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-2002/सै.क./पुनर्विनियोग प्रस्ताव/09-10, दिनांक 15 सितम्बर, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में सैनिक कल्याण मुख्यालय के मानक मद 01-वेतन में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से रुपये 40.00 लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र सम्यावर्त्तन शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।

6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के “आयोजनेतर पक्ष” के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अव्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अव्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-0301-सैनिक मुख्यालय-01-वेतन में संलग्न प्रारूप के कॉलम-5 के सुसंगत मानक मद के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप कॉलम-1 के पुनर्विनियोग कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या:-61(NP)/XXVII(3)/2009, दिनांक 29 अक्टूबर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीया,

(राधा रत्नांशी)

सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:- ५३५ /XVII(1)-3/2009 -09(15)/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. विश्व कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(राधा रत्नांशी)

सचिव।